विचार बिन्दु

आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्म संयम, केवल यही तीन जीवन को परम शांति सम्पन्न बना देते हैं। -टेनीसन

रामचरितमानस की समकालीन व्याख्या के दार्शनिक सूत्र

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं-किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा-प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों-जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि-के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी, वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है-जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है-और संभवतः पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ-स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी, तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गई रामचरितमानस की यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन, नैतिक भ्रम, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है-तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन, और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक-सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है, जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्या सम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह-अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यह सीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है-जो आधुनिक पारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है।

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर-जहाँ युद्ध, उग्रवाद, और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं-रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एक नैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों-मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था-के समाधान का एक जीवंत स्त्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है-जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष,भारत और विश्व-एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं, जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों-युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप-दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद-जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी-संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है-जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं।

रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एक नैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यविन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य-कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक-स्पष्ट होते हैं।

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग-जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक-का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म-दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और आत्म-स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण, और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन-संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्वमीमांसा, भक्ति-सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक-भावनात्मक आरोपण का सूत्र है-जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंधबुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण-क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं-जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूतिजैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमाऔर सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुनःप्रगट हो रही हैं-जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ-रचना की भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका-विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा-आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं-उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रंथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन-व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय-तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन-पद्धति बन जाएगा-जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति-तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता-दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आव्हान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक-उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है-कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

व्याख्या जारी रहेगी !

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा - अलवर जिले में सफलता मिली

राज्य सरकार द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति को लाभांवित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे की मुहिम चलाई जा रही है। पखवाडे के तहत गांव-गांव में शिविर लगाकर 30 से अधिक विभागों के कार्मिकों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर सरकार की 63 योजनाओं व सेवाओं का लाभ आमजन को मौके पर ही उपलब्ध करवाया जा रहा है।

शिविरों में ये हो रहे हैं काम :- शिविर में सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी, रास्ते, भूमि आवंटन जैसे लंबित प्रकरणों का निस्तारण,राजस्व मंडल से तलब अभिलेखों का निष्पादन, अटल ज्ञान केन्द्र हेतु भूमि/भवन चिन्हित करना,21,000 रूपए की डीबीटी प्रोत्साहन राशि का वितरण, बीपीएल परिवारों का सत्यापन, सर्वेक्षण और योजनाओं को जोड़ना, स्वामित्व पट्टों का वितरण, जलग्रहण संरचनाओं की मरम्मत, बिजली के झूलते तार, पोल और वृक्षों की छंटाई, लंबित नल कनेक्शन और टंकी की सफाई, पेयजल लाइन में प्रेशर सुधार, पाइपलाइन मरम्मत और लीकेज निवारण, नहरों की सफाई, गाद निकासी, गेट ग्रीसिंग, बाराबंदी, खाल-आड़ विवादों का समाधान, हस्तांतरित जल संरचनाओं की मरम्मत, ड्रिप, फव्वारा योजनाओं की स्वीकृति,मृदा नमूना और स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पौधारोपण, नर्सरी से पौधा वितरण,एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का समाधान, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, नए पात्र परिवारों का समावेश।

महेश को मिली गृह प्रवेश की खुशियां :- अलवर जिले की रैणी तहसील की ग्राम पंचायत सालोली में आयोजित अन्त्योदय शिविर ग्राम सालोली निवासी महेश चंद जांगिड के लिए गृह प्रवेश की खुशियां लेकर आया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के घर में उपखण्ड अधिकारी रैणी ने महेश चंद को विधिवत गृह प्रवेश कराकर नए घर की शुभकामनाएं दी।

लाभार्थी महेश ने बताया कि वह वर्षों से कच्चे घर में रह रहा था तथा आर्थिक स्थिति से कमजोर होने के कारण घर को पक्का नहीं करा पा रहा था। बरसात के दिनों में घर टपकता था जिससे पूरा परिवार रात-रात भर बैठे ही निकाल देता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने पक्के घर में मेरा पूरा परिवार अब हर मौसम में आराम से रह रहा है।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा पक्का घर बन पाएगा, परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरे पक्के घर का सपना साकार किया है। लाभार्थी ने पक्के घर की सौगात देने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं शिविर के माध्यम से लाभांवित करने पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

विवाह पंजीयन से अब मिलेंगे विभिन्न योजनाओं के लाभ :- गोविन्दगढ तहसील की ग्राम पंचायत ईन्दपुर में आयोजित शिविर में ईन्दपुर निवासी अजय शर्मा व मुस्कान का मौके पर ही विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया गया। जिस पर अजय और मुस्कान ने कहा कि विवाह पंजीयन होने से अब सरकार की योजनाओं आदि का लाभ मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

आम रास्ता खुलवा कर सौहार्द और विकास की राह खोली :- कैरवावाल से कैरवाडी जाने वाला रास्ता कई सालों से अतिक्रमण की चपेट में था और लोगों को आने जाने के लिए दूसरा लम्बा रास्ता उपयोग करना पड़ रहा था। ग्राम पंचायत कैरवावाल में आयोजित शिविर में इस रास्ते को प्रशासन की टीम द्वारा समझाइश कर खुलवाया गया। रास्ता खुलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है तथा ग्रामीणों ने कहा कि अब आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

जमाबंदी रेकार्ड में दर्ज त्रुटि को दुरूस्त किया :- भू राजस्व रेकार्ड में त्रुटि होने से रामगढ तहसील की ग्राम पंचायत ऊंटवाल निवासी मुबारिक, ताहिर, जमशेद को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऊंटवाल में आयोजित शिविर में मौके पर ही इनके जमाबंदी रेकार्ड को दुरूस्त किया गया। शिविरों में हाथों-हाथ काम होने पर लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

-मनोज कुमार मेहरा,
सहायक निदेशक, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, अलवर

वैर के भौंडा गांव में शहीद हरेन्द्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण

हलैना/भरतपुर, (निसं)। वैर के भौंडा गांव में शहीद हरेद्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बेढम के मुख्य आतिथ्य व विधायक बहादुर सिंह कोली की अध्यक्षता में हुआ। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, महेंद्र सिंह खेड़ला, केदार सिंह गुर्जर, दरबारी गुर्जर विशिष्ट अतिथि रहे।

भरतपुर में शहीद हरेन्द्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण गृह राज्य मंत्री बेढम के मुख्य अतिथि में हुआ।

■ भारतीय संस्कृति सभी लोगों का देश भक्ति, समाज और मानव सेवा, सनातन धर्म का ज्ञान आदि देती हैं : गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह

अतिथियों ने शहीद स्मारक का फीता काटकर और शहीद हरेंद्र सिंह की प्रतिमा का लाल वस्त्र हटाकर व फूल माला पहनाकर अनावरण किया। इस अवसर पर शहीद के पिता बली गुर्जर, पत्नी वीरवती देवी, मां और उनके बच्चे भी मौजूद रहे। गृह राजमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भारतीय संस्कृति और आस्था के स्थल, शहीद की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुगल एव अंग्रेजों ने भारत में धार्मिक व आस्था से भरपूर स्थलों को खंडित किया, साथ ही भारतीय संस्कृति और धार्मिक ग्रंथों को नष्ट किया। जिसके पीछे इनका एक ही उद्देश्य था कि देश और समाज में फूट डाल दी जाए, जिससे भारतीय जनता आपस में झगड़ा कर मर मिटे और भारतीय संस्कृति नष्ट हो जाए, लेकिन ये सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सभी लोगों का देश भक्ति, समाज और मानव सेवा, सनातन धर्म का ज्ञान आदि देती हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आमजन में बढ़ती लोकप्रियता व उनके कार्य को देखकर गैर भाजपा दल नेता चिंतित है। क्योंकि राज्य में केंद्र और राज्य सरकार विकास करा रही है और डबल इंजन सरकार पर जनता को विश्वास आए दिन क्यों बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी परीक्षा का पेपर आउट नहीं हुआ। जबकि राज्य की पिछली सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 पेपर आउट हुए।

उन्होंने कहा कि देश और समाज की सेवा करने वाला यदि प्राण त्याग दे, तो लोग उसे कभी नहीं भूलते हैं और उसको हमेशा याद कर शहीद का दर्जा देते हैं। शहीद हरेंद्र सिंह ने 17 साल भारतीय सेवा में नौकरी की और उसके बाद राजस्थान पुलिस में सर्विस करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जिनकी प्रतिमा का अनावरण करने तथा उसके माता-पिता, पत्नी, बच्चों का मुझे सम्मान करने का मौका मिला, तो मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं। वैर के विधायक बहादुर सिंह कोली व भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने भी शहीद हरेंद्र सिंह के माता-पिता, पत्नी बच्चों का सम्मान करते हुए कहा कि ये धन्यवाद के पात्र हैं कि इनके घर में शहीद हरेंद्रसिंह का जन्म हुआ। हमको सभी लोगों को हरेंद्रसिंह के परिजनों का सम्मान व शहीदों को नमन करना चाहिए। भुसावर वृत के पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र शर्मा, गजेंद्र सिंह टंटा, करतारसिंह, केदार सिंह गुर्जर, सुमरन गुर्जर, शिवराम सिंह, डॉ. पवन धाकड़, शहिद के पिता बली सिंह, मां, पत्नी वीरवती, हरेंद्र सिंह जाट भाजपा ग्रामीण मण्डल वैर पूर्व अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह टंटा, भाजपा ओबीसी मोर्चा भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन धाकड़, शेर सिंह धरसोनी, प्रेम सिंह मास्टर, विष्णु मित्तल आदि मौजूद रहे। संचालन सतीश पाण्डे ने किया, जबकि आभार प्रकट केदार सिंह वाराखुर्द ने किया।

गंगापुर सिटी में पांच माह से वेतन नहीं मिलने से नाराज ऑटो टिपर संचालकों ने काम रोका

घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह ठप, शहर में गंदगी के ढेर लगे

गंगापुर सिटी, (निसं)। घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है। नगर परिषद द्वारा नियुक्त नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ऑटो टिपर संचालकों ने वेतन नहीं मिलने के कारण काम रोक दिया है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने कचरा संग्रहण का काम नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा था। कंपनी लगभग 20 ऑटो टिपर के माध्यम से शहर में घर-घर से कचरा एकत्र करती है। नगर परिषद के पास बजट की कमी के कारण पिछले आठ महीनों से कंपनी को भुगतान नहीं किया गया है। कंपनी के प्रतिनिधि राजवीरसिंह जाट के अनुसार, उन्होंने कर्मचारियों को तीन महीने का वेतन अपने स्तर पर दिया है, लेकिन अब पांच महीने का वेतन बकाया है। नगर परिषद से भुगतान न मिलने के कारण वे कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं।

■ नगर परिषद ने कचरा संग्रहण का काम नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा था, कंपनी लगभग 20 ऑटो टिपर के माध्यम से शहर में घर-घर से कचरा एकत्र करती है

ऑटो टिपर कर्मचारी रवि और सुरेश ने बताया कि वेतन नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्हें घर चलाने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के कारण शहर में कचरे का संग्रहण और निपटारा नहीं हो पा रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। एक-दो माह की बात तो सही है लेकिन विगत पांच माह से भुगतान नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ी रही है।

सफाई निरीक्षक पिंटू मीणा का कहना है कि शुक्रवार को ऑटो टिपर संचालकों ने हड़ताल कर दी, सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए परिषद अपने स्तर पर कार्मिकों से सफाई करवाने के साथ गंदगी कचरे का निपटारा करवा रही है।

राशिफल रविवार 6 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 10:42 तक, साध्य योग रात्रि 9:27 तक, वणिज करण प्रातः 8:07 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:01 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग रात्रि 9:16 से 10:42 तक है। राजयोग रात्रि 10:42 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 8:07 से रात्रि 9:16 तक है। आज देवशयनी एकादशी व्रत है। आज से चातुर्मास व्रत नियम आरम्भ होगा। आज ताजिया मुहर्रम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:24 से 9:07 तक, लाभ-अमृत 9:07 से 12:31 तक, शुभ 2:13 से 3:56 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

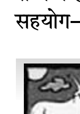

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष

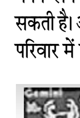

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

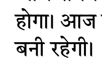

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

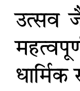

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

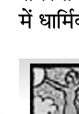

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

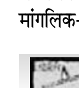

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

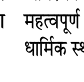

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनः स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

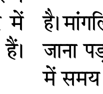

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मांगलिक-धार्मिक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

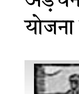

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ

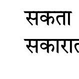

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन

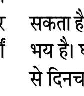

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।